दिनांक १२ सितंबर, २०१८ को आयोजित विद्वत्परिषद् की दसवीं बैठक का कार्यवृत्त।

——श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली की विद्वत्परिषद् की दसवीं बैठक दिनांक 12 सितंबर, 2018 को अपराह्न 2.30 बजे कुलपति महोदय की अध्यक्षता में वाचस्पति सभागार में सम्पन्न हुई। इस बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:-

1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	अध्यक्ष
2.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र,	बाह्य सदस्य
3.	श्री अनिल कुमार गुप्ता	बाह्य सदस्य
4.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
5.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	सदस्य
6.	प्रो. के. भारत भूषण	सदस्य
7.	प्रो. जय कुमार एन. उपाध्ये	सदस्य
8.	प्रो. कमला भारद्वाज	सदस्या
9.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	सदस्य
10.	प्रो. भागीरथि नन्द	सदस्य
11.	प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	सदस्य
12.	प्रो. विनोद कुमार शर्मा	सदस्य
13.	प्रो. संगीता खन्ना	सदस्या
14.	प्रो. सविता	सदस्या
15.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	सदस्य
16.	प्रो. वृन्दावन दाश	सदस्य
17.	प्रो. अनेकान्त जैन	सदस्य
18.	प्रो. विष्णुपद महापात्र	सदस्य
19.	प्रो. के. अनन्ता	सदस्य
20.	प्रो. सुधांशुभूषण पण्डा	सदस्य
21.	प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा	सदस्य
22.	डॉ. शिवशंकर मिश्र	सदस्य
23.	डॉ. मारकण्डेनाथ तिवारी	सदस्य
24.	प्रो. नागेन्द्र झा	सदस्य
25.	प्रो. हरिहर त्रिवेदी	सदस्य
26.	प्रो. शुकदेव भोई	सदस्य
27.	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी	सदस्य
28.	प्रो. वीर सागर जैन	सदस्य
29.	प्रो. रमेश प्रसाद पाठक	सदस्य
30.	प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी	सदस्य
31.	प्रो. बिहारी लाल शर्मा	सदस्य
32.	प्रो. रश्मि मिश्रा	सदस्या
33.	प्रो. राम राज उपाध्याय	सदस्य
34.	प्रो. नीलम ठगेला	सदस्या

35. प्रो. रजनी जोशी चौधरी	सदस्या
36. प्रो. सुजाता त्रिपाठी	सदस्या
37. प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा	सदस्य
38. प्रो. परमानन्द भारद्वाज	सदस्य
39. प्रो. कुसुम यदुलाल	सदस्या
40. प्रो. विमलेश शर्मा	सदस्या
41. प्रो. मीनाक्षा मिश्रा	सदस्या
42. प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज	सदस्या
43. प्रो. एम. जयकृष्णन	सदस्य
44. प्रो. प्रभाकर प्रसाद	सदस्य
45. प्रो. कल्पना जैन	सदस्या
46. प्रो. जगदेव शर्मा	सदस्य
47. प्रो. महानन्द झा	सदस्य
48. डॉ. यशवीर सिंह	सदस्य
49. डॉ. सदन सिंह	सदस्य
50. डॉ. आदेश कुमार	सदस्य
51. डॉ. ए.एस. आरावमुदन	सदस्य
52. डॉ. कान्ता	विशेष आमंत्रित सदस्या
53. डॉ. एन.पी. सिंह	सदस्य

निम्नलिखित सदस्य बैठक में उपस्थित नहीं हुए :-

1. प्रो. शिव वरण शुक्ला
2. प्रो. कौशलेन्द्र पाण्डेय
3. श्री शाहु अखिलेश जैन
4. डॉ. सुभाष चन्द्रा
5. प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी
6. प्रो. सुदीप कुमार जैन
7. प्रो. रचना वर्मा मोहन
5. डॉ. अलका राय

प्रो. हरिहर त्रिवेदी के मंगलाचरण के साथ ही बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई। कुलपति महोदय द्वारा विद्वत्परिषद् के नए सदस्यों का अभिनन्दन किया गया। विगत सत्र की उपलब्धियों विशेष रूप से दीक्षान्त समारोह की सफलता के लिए सम्मलित समस्त सदस्यों को बधाई दी और इस अवसर पर राष्ट्रपति सम्मना ''वादरायण'' प्राप्त पर डॉ. शिवशंकर मिश्र जी को बधाई दी। सदस्यों ने दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा कुलपति महोदय को ''महर्षि बालमिकी पुरस्कार'' प्राप्त हेतु बधाई दी। कुलसचिव (प्रभारी) डॉ. अलका राय, के अवकाश पर होने से डॉ. एन.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक ने विद्वत्परिषद् की दसवीं बैठक के लिए निर्धारित कार्यसूची के प्रत्येक मद को प्रस्तुत किया। गहन विचार-विमर्श के अनन्तर सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गये:-

संकल्प संख्या १०.१ विद्वत्परिषद् की दिनांक ५ अप्रैल, २०१८ को सम्पन्न हुई नौवीं बैठक में लिये गये निर्णयों की पुष्टि।

विद्वत्परिषद् की दिनांक 5 अप्रैल, 2018 को सम्पन्न हुई नौवीं बैठक में लिये गये निर्णयों की सर्वसम्मति से पुष्टि की गयी।

संकल्प संख्या १०.२ विद्वत्परिषद की दिनांक ५ अप्रैल, २०१८ को सम्पन्न हुई नौवीं बैठक में लिये गये निर्णयों पर कृत कार्यवाही का प्रतिवेदन।

विद्वत्परिषद की दिनांक 5.4.2018 को सम्पन्न हुई नौवीं बैठक में लिये गये निर्णयों के क्रियान्वयन के विषय पर प्रस्तुत कृत कार्यवाही की पुष्टि की गयी।

संकल्प संख्या १०.३ समय-समय पर आयोजित संकाय प्रमुखों एवं अन्य शैक्षणिक समितियों की बैठकों की कार्यवाही की पुष्टि ।- :

शैक्षणिक सत्र 2017-18 में शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालन हेतु संकाय-प्रमुखों एवं अन्य अधिकारियों की समय-समय पर सम्पन्न बैठकों में लिये गये निर्णयों पर विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

१.१ विषय :- संकायप्रमुख एवं अंशकालीन पाठ्यक्रमों के संचालकों की दिनांक ०२.०७.२०१८ को अपराह्ण ०४:०० बजे आयोजित बैठक में लिये गये निर्णय पर कृत कार्यवाही के सम्बन्ध में।

शैक्षणिक सत्र 2018-19 में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में विचार-विमर्श करने हेतु संकाय प्रमुखों एवं अंशकालीन पाठ्यक्रम संयोजकों की दिनांक 2.7.2018 को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णयों की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.४ (१) शोधोपाधि समिति द्वारा संस्तुत अगस्त माह २०१८ तक निम्नलिखित विद्यावारिधि छात्रों की वाक् परीक्षा की सूची की पुष्टि।

विद्यापीठ के विभिन्न विभागों में पंजीकृत 9 शोध छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के शोध संबंधित विनियम 2016 के अवलोक में प्रस्तुत शोध प्रबन्ध को नियमानुसार कुलपति महोदय के आदेशानुसार परीक्षा विभाग द्वारा दो बाह्य परीक्षकों से मूल्यांकित कराया गया और नियमानुसार उनकी वाक् परीक्षा सम्पन्न कराई गई। वाक् परीक्षा के उपरान्त प्राप्त रिपोर्ट को शोधोपाधि समिति के समक्ष अवलोकनार्थ प्रस्तुत किया गया तथा शोधोपाधि समिति की अनुशंसा के आधार पर निम्नलिखित शोध छात्रों को अस्थाई प्रमाण-पत्र जारी करने की संस्तुति की गई:-

क स	छात्र का नाम	शोध प्रबन्ध का विषय	विषय / नामांकन	मार्गनिर्देशक	वाक् परीक्षा की तिथि
1	विवेक कुमार जैन	आचार्यकुन्दकुन्दविरचितनियमसारग्रन्थस्य आध्यात्मिकं दार्शनिकञ्ज वैशिष्ट्यम्	जैनदर्शन 55/V.V./2013	प्रो. वीर सागर जैन	20.6.2018
2	रविन्द्र कुमार पण्डा	दशमहाविद्यास्वरूपपरिशीलनम्	पौरोहित्य 116/V.V./2015	डॉ. वृदावन दाश	20.7.2018
3	नवीन आर्य	पातञ्जलयोगसूत्रे निहितशैक्षिकतत्त्वानां विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र 66-S/2005	डॉ. भास्कर मिश्र	20.7.2018
4	राकेश कुमार पाण्डेय	विवरणप्रमेयसङ्ग्रहस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त 18-S/06	प्रो. शुद्धानन्द पाठक	20.7.2018

5	आशीष यादव	ब्रह्मसूत्रस्य समन्वयाध्यायस्य शाङ्करश्रीकण्ठभाष्ययोः तुलनात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्शन 73-A/10	डॉ. जवाहरलाल	2[illegible]
6	सुशील चन्द्र	महाभारतस्यानुशासनपर्वणि वर्णितानां राजधर्मसिद्धान्तानामनुशीलनम्	पुराणेतिहास 78-A/09	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी	2[illegible]
7	सञ्जु शर्मा	संस्कृतसाहित्ये आचार्यश्रीनिवासरथस्य योगदानम्	साहित्य 12-v.v./2016	डॉ. सुमन कुमार झा	30.7.20[illegible]
8	मधुसुदन शर्मा	चयनयागप्रविधिसमीक्षा	वेद 38-s/05	डॉ. सुन्दरनारायण झा	21.8.20[illegible]
9	गोपेश कुमार झा	शतपथब्राह्मणदेवयाज्ञिकपद्धत्योः परिप्रेक्ष्ये गवामयनसत्रयागस्य परिशीलनात्मकमध्ययनम्	वेद 3-A/09	डॉ. सुन्दरनारायण झा	21.8.20[illegible]

विद्वत्परिषद् द्वारा शोधोपाधि समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों की पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.४ (२) शास्त्री षष्ठ सैमेस्टर, आचार्य चतुर्थ सैमेस्टर एवं त्रैमासिक संस्कृत पत्रकारिता की अंकतालिका की पुष्टि।

परीक्षा विभाग द्वारा शास्त्री षष्ठ सैमेस्टर, आचार्य चतुर्थ सैमेस्टर एवं त्रैमासिक संस्कृत पत्रकारिता पाठ्यक्रम की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर छात्रों को परीक्षा विभाग द्वारा जारी की जाने वाली अंकतालिका की पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.४ (३) मई, २०१८ में सम्पन्न शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य, विशिष्टाचार्य एवं विद्यावारिधि सत्रीय परीक्षा परिणामों की पुष्टि।

परीक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2017-18 की मई, 2018 में सम्पन्न शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य, विशिष्टाचार्य एवं विद्यावारिधि सत्रीय परीक्षा का आयोजन किया गया था। परीक्षा परिणाम घोषित करने हेतु गठित परीक्षा मण्डल की बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुसार परीक्षा परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। परीक्षा परिणामों की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.४ (४) मई, २०१८ में सम्पन्न अंशकालीन पाठ्यक्रम के परीक्षा परिणाम की पुष्टि।

परीक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2017-18 की मई, 2018 में सम्पन्न अंशकालीन पाठ्यक्रमों की परीक्षा परिणाम की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.४ (५) पुनर्मूल्यांकन परीक्षा परिणाम की पुष्टि।

शैक्षणिक सत्र 2017-18 में परीक्षा विभाग द्वारा आयोजित पुनर्मूल्यांकन परीक्षा परिणाम की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.४ (६) शास्त्री षष्ठ एवं आचार्य चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को पाठ्यक्रम पूर्ण करने हेतु समय वृद्धि के संदर्भ में ।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार शास्त्री षष्ठ एवं आचार्य चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को पाठ्यक्रम पूर्ण करने हेतु निर्धारित समय अवधि में परीक्षा पूर्ण न कर पाने पर एक अन्य वर्ष की समयवृद्धि प्रदान कर परीक्षा विभाग द्वारा परीक्षा आयोजित करने की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.४ (७) सत्रहवें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर शोध छात्रों को प्रदान विद्यावारिधि उपाधि की सूची विद्वत्परिषद् के सूचनार्थ प्रस्तुत।

दिनांक 5.4.2018 को सम्पन्न विद्वत्परिषद् की नौवीं बैठक की कार्यसूची संख्या 9.5 (9) में यह निर्णय लिया गया था कि सत्रहवें दीक्षान्त समारोह से पूर्व विद्यावारिधि के कतिपय अन्य छात्रों की मौखिक परीक्षा सम्पन्न होने पर उन्हें भी सत्रवहें दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्रदान करने हेतु कुलाधिपति को अधिकृत किया गया था। विद्यापीठ का सत्रहवॉ दीक्षान्त समारोह दिनांक 21.4.2018 को आयोजित किया गया था। दिनांक 27.3.2018 तक परीक्षा विभाग द्वारा 28 शोध छात्रों की वाक् परीक्षा सम्पन्न कराई गई थी जिसकी सूची विद्वत्परिषद् की नौवीं बैठक में प्रस्तुत की गई थी। विद्वत्परिषद् द्वारा लिए गए निर्णय के अनुपालन में परीक्षा विभाग द्वारा दिनांक 27.3.2018 से 17.4.2018 तक 28 अन्य शोध छात्रों की वाक् परीक्षा का आयोजन किया गया था। वाक् परीक्षा के अनुसार कुल 56 योग्य शोध छात्रों को सत्रहवें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर विद्यावारिधि उपाधि प्रदान की जा चुकी है।

विद्यावारिधि उपाधि प्राप्त शोध छात्रों की सूची विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.५ शैक्षणिक सत्र २०१८-१९ में नियमित एवं अशंकालिक पाठ्यक्रमों में प्रविष्ट छात्रों की संख्या की पुष्टि की गई।

शैक्षणिक सत्र 2018-19 में नियमित एवं अशंकालिक पाठ्यक्रमों में प्रविष्ट छात्रों की संख्या की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

1. शास्त्री-298
2. बीए.योगा-39
3. शिक्षाशास्त्री-393
4. आचार्य-205
5. एम.ए. योगा-100
6. शिक्षाचार्य-20
7. विशिष्टाचार्य-66
8. अंशकालिक पाठ्यक्रम-350

संकल्प संख्या १०.६ शैक्षणिक सत्र २०१८-१९ के लिये गठित कुलानुशासक मण्डल के गठन की पुष्टि।

विद्यापीठपरिसर की सुरक्षा-व्यवस्था एवं छात्रों में अनुशासन-प्रियता को सुदृढ़ करने के लिये कुलानुशासक मण्डल उत्तरदायी होता है। यह मण्डल सुरक्षा एवं अनुशासन से सम्बन्धित आवश्यक विषयों पर यथा समय कुलानुशासक की अध्यक्षता में विचार-विमर्श करेगा। कुलानुशासक मण्डल द्वारा अनुमोदित अनुशासन एवं सुरक्षा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण प्रस्ताव कुलपति महोदय के समक्ष प्रस्तुत किये जाएगें। कुलपति महोदय की स्वीकृति के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2018-19 के लिए कुलानुशासक मण्डल का गठन किया गया है जिसकी, विद्वत्परिषद् द्वारा कुलानुशासक मण्डल के गठन की पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.७ शैक्षणिक सत्र २०१८-१९ के लिये समय-सारणी समिति द्वारा तैयार समय-सारणी की पुष्टि।

समय-सारणी समिति द्वारा तैयार समय-सारणी सभी विभागाध्यक्षों एवं संकाय प्रमुखों को प्रेषित की जा चुकी है। शैक्षणिक सत्र 2018-19 के लिये समय-सारणी समिति द्वारा तैयार समय-सारणी की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.८ [illegible]

शोध छात्रों की शोध प्रगति की समीक्षा [illegible] विवरणानुसार समिति की बैठक का आयोजन किया गया:-

साहित्य एवं संस्कृति संकाय	दिनांक: 25 जुलाई, 2018
दर्शन संकाय	दिनांक 24-25 जुलाई, 2018
वेद-वेदांग संकाय	दिनांक 2-3 अगस्त, 2018
शिक्षाशास्त्र	दिनांक 26-27 जुलाई, 2018

शोध समीक्षा समिति की बैठकों में लिये गये निर्णय के अनुपालन में संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न की जा रही है।

विद्वतपरिषद् द्वारा शोध समीक्षा समिति की बैठकों में लिये गये निर्णयों की पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.९ शैक्षणिक सत्र २०१७-१८ (द्वितीय सेमेस्टर) में प्रविष्ट छात्रों को छात्रवृत्ति स्वीकृत करने हेतु समिति की बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि।

शैक्षणिक सत्र 2017-18 में प्रविष्ट शास्त्री, आचार्य एवं विशिष्टाचार्य के छात्रों को द्वितीय सेमेस्टर की छात्रवृत्ति स्वीकृत करने हेतु गठित समिति की बैठक दिनांक 02.08.2018 को आयोजित की गई। छात्रवृत्ति समिति द्वारा लिए गए निर्णय की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.१० शैक्षणिक सत्र २०१८-१९ में एम.ए. योग पाठ्यक्रम में निर्धारित ८० सीटों के अतिरिक्त २० सीटों पर प्रवेश की पुष्टि।

नियमानुसार एम.ए. योग पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु 80 स्थान निर्धारित हैं शैक्षणिक सत्र 2018-19 में एम.ए. योग पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आयोजित लिखित प्रवेश परीक्षा परिणाम सूची के अनुसार उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की संख्या निर्धारित सीटों से अधिक होने के कारण संयोजक योग पाठ्यक्रम द्वारा दिनांक 23.07.2018 को संकाय प्रमुखों की बैठक में विचार विमर्श पश्चात एम.ए. योग पाठ्यक्रम में 20 (बीस) स्थान बढ़ाये जाने का निर्णय लिया गया।

कुलपति महोदय द्वारा विद्वत्परिषद् के समक्ष घोषित किया गया कि एम.ए. योग पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कुल 100 (सौ) सीटें निर्धारित की गयी, जिसे दो वर्गों में विभक्त कर कक्षाध्यापन किया जा रहा है। एम.ए. योग पाठ्यक्रम में कुल निर्धारित 100 सीटों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जा चुकी है।

कुलपति महोदय के आदेशानुसार प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी, संयोजक, योग पाठ्यक्रम द्वारा शैक्षणिक सत्र 2018-19 में षाण्मासिक एवं एक वर्षिय योग पाठ्यक्रम, बीए. योग तथा एम.ए. योग पाठ्यक्रम में प्रविष्ट छात्रों की संख्या तथा पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य क्रियाकलापों के विषय में विद्वत्परिषद् के सदस्यों को अवगत करवाया गया । इस संबंध में यह निर्णय लिया गया कि योग पाठ्यक्रम में प्रविष्ट छात्रों के अध्यापन तथा पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य क्रियाकलापों का विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर कुलपति महोदय को प्रेषित किया जाए ताकि पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु आवश्यक पद एवं संसाधन के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रस्ताव प्रेषित किया जा सके।

विद्वत्परिषद् द्वारा एम.ए. योग पाठ्यक्रम में सीटों की वृद्धि की पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.११ विद्यावारिधि पाठ्यक्रमों में पंजीकृत शोध-छात्रों को पूर्व पी.एचडी प्रस्तुतीकरण प्रतिज्ञा-प्रमाण-पत्र एवं अन्य प्रमाण-पत्रों में बदलाव हेतु विद्वत्परिषद् के विचारार्थ प्रस्तुत।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल/पीएच.डी उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंण्ड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसार शोध छात्रों को पूर्व पी.एचडी प्रस्तुतीकरण शोध प्रबन्ध की सी.डी. प्रस्तुत करते समय निर्धारित प्रफोर्मा के अनुसार आवेदन पत्र एवं शोध प्रबन्ध को जमा करवाना अनिवार्य है।

विद्वत्परिषद् द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग(एम.फिल/पीएच.डी उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंण्ड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुसार तैयार किए गए मानक प्रारूप को विद्यापीठ में लागू किया जाए तथा शोध छात्रों की सूचनार्थ प्रमाणपत्रों को विद्यापीठ की वेबसाईट पर भी अपलोड किया जाएगा। यह निर्णय भी लिया गया कि विद्यापीठ के शोध छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले शोध प्रबंध के मुख्य पृष्ठ (Cover Page) के लिए मैरून रंग विद्यापीठ के गोल्डन लोगो (Golden Logo) सहित निर्धारित किया जाए। इस संबंध में आवश्यक सूचना शैक्षणिक विभाग द्वारा जारी की जाएगी (संलग्नक-1)। विद्वत्परिषद् के समक्ष तैयार किएं गए प्रपत्रों के मानक प्रारूप को कुलपति महोदय द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसकी विद्वत्परिषद् द्वारा लागू करने की पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.१२ शोध विभाग द्वारा प्रकाशित विद्यापीठवार्ता सप्तांक अंक अप्रैल-जून २०१८ की पुष्टि।

विद्यापीठ के शोध विभाग द्वारा प्रकाशित विद्यापीठवार्ता सप्तांक अंक अप्रैल-जून 2018 की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई तथा यह निर्णय भी लिया गया कि विद्यापीठवार्ता का नियमित प्रकाशन किया जाए तथा इसकी पुष्टि हेतु विद्वत्परिषद् में प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है।

संकल्प संख्या १०.१३ आचार्य पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय में निर्धारित स्थानों के अनुरूप शास्त्री पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय में प्रवेश हेतु स्थानों को निर्धारित करने हेतु प्रस्ताव विद्वत्परिषद के विचारार्थ।

शास्त्री पाठ्यक्रम के विषयों में प्रवेश हेतु कुल 185 स्थान निर्धारित हैं, परन्तु प्रत्येक विषय के लिये स्थानों की संख्या निर्धारित नहीं है।

प्रत्येक संकाय के अंतर्गत पढ़ाए जाने वाले विषयों को ध्यान में रखते हुए शास्त्री कक्षा में प्रत्येक विषय में छात्रों के प्रवेश हेतु निम्नलिखित निर्णय लिए गए:-

1. अभ्यर्थी को प्रवेश आवेदन पत्र भरते समय अपनी अभिरुचि के अनुसार एक से पॉच विषयों के नाम का उल्लेख करना होगा।
2. लिखित प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित होने के उपरान्त बिना विषय के वरीयता क्रम से उन छात्रों का प्रवेश किया जायेगा। तद्परान्त प्रविष्ट सभी सामान्य विद्यार्थी समूह को सभी विभागों के अध्यापक मिलकर उन्हें विद्यापीठ के सभी विषयों के महत्त्व से अवगत करायेंगे। इस के पश्चात् उन विद्यार्थियों से विषय चयन हेतु प्रपत्र प्राप्त कर उन विभागों के अध्यक्ष के पास सीट की उपलब्धता के अनुसार भेजा जाएगा।

3. विद्यापीठ द्वारा संचालित विभिन्न विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया मे संबंधित उचित एवं विस्तृत जानकारी के प्रचार-प्रसार हेतु एक समिति गठित की जाएगी जो विभिन्न विभिन्न गुरूकुलों में जाकर समस्त विषयों के महत्त्वा के बारे में प्रचार करेगी।
4. प्रत्येक विषय में प्रवेश समिति की अनुशंसा के अनुसार अभ्यर्थी की संबंधित विषय मे दक्षता एवं अभिरुचि को ध्यान में रखते हुए प्रवेश हेतु विचार किया जाएगा। निर्धारित स्थानों के उपरान्त अभ्यर्थी को अन्य विषयों में प्रवेश लेना होगा।

संकल्प संख्या १०.१४ विभागाध्यक्ष-ज्योतिष विभाग से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार ज्योतिष विभाग में ज्योतिष परामर्श केन्द्र स्थापित करने हेतु विद्वत्परिषद् के विचारार्थ।

विभागाध्यक्ष-ज्योतिष विभाग से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार ज्योतिष विभाग में ज्योतिष परामर्श केन्द्र स्थापित करने हेतु विद्वत्परिषद् द्वारा यह निर्णय लिया गया कि समस्त परामर्श केन्द्र से संबंधित दिशानिर्देश तैयार कर स्वीकृति हेतु निम्न लिखित समिति का गठन किया जाता है। यह समिति शीघ्रातिशीघ्र अपनी रिपोर्ट तैयार कर स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करेगी।

1. प्रो. हरिहर त्रिवेदी, आचार्य, पौरोहित्य विभाग	–	अध्यक्ष
2. प्रो. प्रेम कुमार शर्मा, संकाय प्रमुख, वेद-वेदांग संकाय	–	सदस्य
3. प्रो. हरेराम त्रिपाठी, संकाय प्रमुख, दर्शन संकाय	–	सदस्य
4. प्रो. जयकुमार एन. उपाध्ये, संकाय प्रमुख, साहित्य एवं संस्कृति संकाय	–	सदस्य
5. प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, वास्तुशास्त्र विभाग	–	सदस्य
6. प्रो. विनोद कुमार शर्मा, विभागाध्यक्ष, ज्योतिष विभाग	–	सदस्य
7. प्रो. वृन्दावन दाश, विभागाध्यक्ष, पौरोहित्य विभाग	–	सदस्य
8. प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा, विभागाध्यक्ष, वेद विभाग	–	सदस्य

विद्यापीठ परिसर में स्थित मंदिर में प्रत्येक सप्ताह / पक्ष किसी ग्रन्थ के प्रकरण पर कम से कम एक घंटे का व्याख्यान का आयोजन किया जाए। कार्यक्रम संचालन करने हेतु प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा को कार्यक्रम संयोजक नियुक्त किया जाता है।

संकल्प संख्या १०.१५ विभागाध्यक्ष-वास्तुशास्त्र विभाग से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार वास्तुशास्त्र विभाग में वास्तु परामर्श केन्द्र स्थापित करने हेतु विद्वत्परिषद् के विचारार्थ।

विभागाध्यक्ष वास्तुशास्त्र विभाग से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार वास्तुशास्त्र विभाग में वास्तु परामर्श केन्द्र स्थापित करने हेतु विद्वत्परिषद् यह निर्णय लिया गया कि संकल्प संख्या 10.14 में लिए गए निर्णय के अनुसार परामर्श केन्द्र स्थापित करने हेतु दिशा-निर्देश निर्धारित करने हेतु गठित समिति की रिपोर्ट के अनुसार ही वास्तुशास्त्र विभाग में परामर्श केन्द्र स्थापित किया जाएगा।

संकल्प संख्या १०.१६ विद्यापीठीय पुस्तकालय की सदस्यता के लिए सुरक्षित धन वृद्धि के संदर्भ में पुस्तकालय प्रभारी से प्राप्त प्रस्ताव विद्वत्परिषद् के विचारार्थ।

पुस्तकालय विभाग से सुरक्षि धन राशि में वृद्धि हेतु प्राप्त प्रस्ताव पर गहन विचार विमर्श करने के उपरान्त सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों / ग्रन्थों की कीमतों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित धनराशि में 500/- रुपयें (रु 1000/- से रु 1500/-) की बढोतरी शैक्षणिक सत्र

2019-20 से लागू की जाएगी। शैक्षणिक सत्र 2019-20 की शैक्षणिक नियम परिचायिका में पुस्तकालय से संबंधित नियमों में आवश्यक संशोधन किया जाएगा तथा छात्रों को परीक्षा के दौरान परीक्षा प्रवेश पत्र (Hall Ticket) जारी करते समय पुस्तकालय से No Dues प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से जमा करना होगा तद्परान्त ही परीक्षा प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा।

संकल्प संख्या १०.१७ विद्यापीठ परिसर में सुरक्षा व्यवस्था हेतु गठित आंतरिक सुरक्षा समिति के गठन की पुष्टि।

विद्यापीठ परिसर में अनधिकृत वाहनों एवं व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने तथा विद्यापीठ परिसर के आवासीय परिसर में रहने वाले सभी महानुभावों (अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्रों) को अपने दुपहिया एवं चारपहिया वाहनों के प्रवेश हेतु स्टीकर व्यवस्था हेतु आंतरिक सुरक्षा समिति का गठन किया गया है, जिसकी विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.१८ विद्यापीठ परिसर में छात्रावास निर्माण के संबंध में मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त पत्र विद्वत्परिषद् के सूचनार्थ एवं उस दिशा में लिये गये निर्णय की पुष्टि।

विद्वत्परिषद् के संज्ञान में लाया जाता है कि मंत्रालय की एक बैठक में कुलपति द्वारा विद्यापीठ में छात्रावास की समस्या को उठाया गया जिसमें मंत्रालय ने निर्णय लिया कि दोनों छात्र-छात्राओं के लिए 200-200 स्थानों वाले छात्रावासों के निमार्ण हेतु अनुदान दिया जायेगा।

इस सन्दर्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रेषित ई-मेल दिनांक 14.5.2018 के अनुसार सूचित किया गया है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा विद्यापीठ परिसर में दो छात्रावासों (छात्र एवं छात्राओं के लिए) निर्माण कराने की अनुमति दी गयी है। इस संबंध में विद्यापीठ द्वारा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग से सम्पर्क कर नक्शा एवं अनुमानित लागत का ब्यौरा प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कई अधिकारियों ने विद्यापीठ में एक बैठक सम्पन्न की और परिसर का अवलोकन कर निर्णय लिया कि वर्तमान छात्रावास जो कि जर्जर हालत में है और शौचालय असुरक्षित स्थिति में है। अत: इसे बन्द कर अस्थायी शौचालय मनोरंजन कक्ष में बनाया जाए तथा हेल्थ सेन्टर के पास पार्क के दक्षिणी छोर पर 200 बेड सहित पुरूष छात्रावास का निमार्ण किया जायेगा जिसमें छात्रों को स्थानान्तरित कर वर्तमान छात्रावास के स्थान पर 200 बेड वाले महिला छात्रावास का निर्माण किया जाये। जिसके लागत का ब्योरा यथाशीघ्र तैयार कर मन्त्रालय को स्वीकृत हेतु भेजा जायेगा।

विद्वत्परिषद् द्वारा पुरूष एवं महिला छात्रावास के निर्माण विषयक निर्णय की पुष्टि की गयी।

संकल्प संख्या १०.१९ मूक्स पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पंजीकृत छात्रों के क्रेडिट स्थानातरण के संबंध में।

दिनांक 20.12.2016 को आयोजित विद्वत्परिषद् की छठीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्रदान पश्चात् विद्यापीठ द्वारा मूक्स पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जा चुके हैं। इस संबंध में जो छात्र मूक्स पाठ्यक्रम पूर्ण करेंगे उन छात्रों से सम्बद्ध मूल संस्थाओं को उनके द्वारा अर्जित क्रेडिट को प्रेषित किया जाएगा। विद्यापीठ के आचार्य कक्षा में अध्ययनरत छात्र अपने वैकल्पिक पत्र के रूप में मूक्स को चयन कर सकते है। छात्रों द्वारा चयनित मूक्स पाठ्यक्रम की सूचना संबंधित विभागाध्यक्ष के द्वारा

शैक्षणिक विभाग को प्रेषित की जाएगी और पाठ्यक्रम सम्पन्न होने के पश्चात् छात्र द्वारा अर्जित क्रेडिट आचार्य मूल पाठ्यक्रम के साथ जोड़ा जायेगा।

स्वयं के माध्यम से ऑनलाइन ज्ञान अर्जन पाठ्यक्रमों हेतु क्रेडिट ढाँचा नियमावली-2016 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुसार स्वयं प्लेटफॉर्म के माध्यम से छात्रों द्वारा अर्जित किए गए क्रेडिट के लिए मूल संस्थान छात्रों को समकक्ष क्रेडिट प्रदान करेगा।

मूक्स पाठ्यक्रम के संयोजक द्वारा प्रेषित रिपोर्ट की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.२० शिक्षण अधिगम केन्द्र द्वारा प्रथम चरण में आयोजित कार्यक्रमों का विवरण विद्वत्परिषद् के सूचनार्थ प्रस्तुत।

शिक्षाशास्त्र संकाय के अन्तर्गत स्थापित शिक्षण अधिगम केन्द्र की निदेशिका द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार शिक्षण अधिगम केन्द्र द्वारा दिनांक 23.10.2017 से 17.4.2018 तक विभिन्न-विभिन्न विषयों पर 6 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- शिक्षण अधिगम केन्द्र द्वारा **द्वितीय चरण में ९ कार्यक्रम** प्रस्तावित किये गए है जिसमें से एक कार्यक्रम दिनाँक 21 से 23 अगस्त, 2018 तक **उच्च प्राथमिक स्तर पर छात्राध्यापक संदर्शिका निर्माण** विषय पर सम्पन्न हो चुका है।

- **मानव संसाधन विकास मंत्रालय** द्वारा जारी विज्ञप्ति में शिक्षण अधिगम केन्द्र के अन्तर्गत **संस्कत शिक्षण प्रविधि** विषय पर **राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र** अधिसूचित किया गया। केन्द्र द्वारा दिनाँक 30 मई, 2018 को **NRC** की विद्वत् परिषद् (Academic Council) की बैठक तथा दिनाँक 25 जून, 2018 को एक दिवसीय ऑनलाइन पुनश्चर्या मॉडयूल निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। तद्नुसार मूक्स के माध्यम से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया की जा रही है। कुलपति महोदय द्वारा विद्वत्परिषद् के सदस्यों को अवगत करवाया कि राष्ट्रिय संसाधन केन्द्र द्वारा संस्कृत विषयों के अन्तर्गत नियुक्त अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

शिक्षण अधिगम केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या १०.२१ अध्यक्ष महोदय की अनुमति से विचारार्थ प्रस्तुत अन्य विषय

१०.२१ (१) कुलाधिपति महोदय के निर्देशानुसार विदेशी भाषाओं से संबंधित पाठ्यक्रम (प्रमाण-पत्रीय अथवा डिप्लोमा) के प्रारम्भ करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाता है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार छात्र-छात्राओं को रोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश से विदेशी भाषाओं से संबंधित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को विद्यापीठ मे संचालित किया जाए। छात्र-छात्राओं को रोजगार के क्षेत्र में अधिक अवसर प्राप्त कराने के उद्देश से सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रथम चरण में (French, Japanese, Chinese & German) विदेशी भाषाओं से संबंधित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को विद्यापीठ में संचालित किया जाए। पाठ्यक्रमों को संचालन करने हेतु दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए समिति गठित करने हेतु कुलपति महोदय को अधिकृत किया गया है।

[illegible] परीक्षा विभाग द्वारा तैयार (Bye-Laws, General Rules and Regulations) का प्रारूप विद्वत्परिषद् की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत।

परीक्षा विभाग द्वारा परीक्षा विभाग से संबंधित (Bye-Laws, General Rules and Regulations) का प्रारूप तैयार किया गया है जिनका विवरण निम्न प्रकार से है:-

BYE=LAWS ON

Sr.No	Subject	Pg. No.
1	Conduct of Examination and Evaluation	
2	Discorderly conduct and use of unfair means in examination	
3	Withholding conferment of any degree / diploma or award	
4	Medium of Instructions and Examination	
5	Convocation	
6	Degree of M.Phil.	
7	Degree of Ph.D.	

GENERAL RULES FOR

1	General Rules for conduct of Examinations	
2	Rules for Improvement in Division/Class	

REGULATIONS FOR

1	Convocation	

परीक्षा विभाग द्वारा तैयार उपरोक्त (Bye-Laws, General Rules and Regulations) का प्रारूप की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई। विद्वत्परिषद् द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि प्रारूपों के मूल्यांकन, सम्पादन, संवर्धन एवं अनुवाद हेतु एक समिति का गठन किया जाए। समिति के गठन हेतु कुलपति महोदय को अधिकृत किया जाए।

१०.२१ (३) वास्तुशास्त्र विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तथा योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, (मानित विश्वविद्यालय), दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में वास्तुशास्त्र विषय में पाठ्यक्रम को संचालित करने के संबंध में निर्धारित सहमति ज्ञापन विद्वत्परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

वास्तुशास्त्र विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तथा योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, (मानित विश्वविद्यालय), दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में वास्तुशास्त्र विषय में पाठ्यक्रम को संचालित करने के संबंध में निर्धारित सहमति ज्ञापन के अनुसार दोनों संस्थाओं की शैक्षणिक नीतियां का अनुपालन करते हुए पाठ्यक्रम का संचालन किया जाएगा तथा संबंधित पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। सहमति ज्ञापन पत्र की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई। विद्वत्परिषद् द्वारा यह निर्णय भी लिया गया कि पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु दोनों संस्थाओं की ओर से एक समिति का गठन किया जाए। समिति की बैठक का आयोजन वास्तुशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित किया जाए। अन्य आवश्यक औपचारिकताओं हेतु कुलपति महोदय को अधिकृत किया जाए।

१०.२१ (४) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार एन.सी.सी. को उच्च शिक्षा में एक वैकल्पिक विषय के रूप में सम्मिलित करने पर विचार।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा यह निर्देश दिया गया ~~है~~ कि एन.सी.सी. को वैकल्पिक विषय के रूप में सम्मिलित किया जाए। इस संबंध में यह निर्णय लिया गया कि प्रथम चरण में विश्वविद्यलाय अनुदान आयोग से एन.सी.सी. विषय के अध्यापन हेतु अध्यापकों के आवश्यकतानुसार पदों के सृजन के लिये पत्र प्रेषित किया जाय।

१०.२१ (५) दिनांक ५ से ७ सितंबर, २०१८ में सम्पन्न शास्त्री, आचार्य एवं शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम की पूरक परीक्षा के परीक्षा परिणाम की पुष्टि।

परीक्षा विभाग द्वारा दिनांक 5 से 7 सितंबर, 2018 में सम्पन्न शास्त्री, आचार्य एवं शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम की पूरक परीक्षा के परीक्षा परिणाम की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद के उपरान्त शान्ति पाठ से विद्वत्परिषद् की दसवीं बैठक की कार्यवाही सम्पन्न हुई।

(डॉ. अलका राय)
कुलसचिव (प्रभारी)

(प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय)
कुलपति-एवं अध्यक्ष